released to States in the form of block grants and block loans in the proportion of 30% and 70% respectively. This assistance is no longer linked with any individual scheme. Therefore, the question of any part of it being released for any particular purpose or to any agency other than the State Government does not arise. A large proportion of State Plan and institutional resources will be spent on the improvement of living and working conditions of the villages.

(d) State Governments have been taking up schemes and providing loans and grants for programmes of improving living and working conditions in the villages.

Recommendations of Pillai Committee

3361. SHRI M. L. SONDHI : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that many recommendations of the Pillai Committee Report have been shelved ;

(b) whether this has created widespread resentment in the different sections of the foreign service ; and

(c) if so, the steps proposed to be taken to implement the recommendations of the Committee ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : (a) No, Sir.

(b) No, Sir.

(c) A number of recommendations have already been implemented. Some other are in the process of implementation. Question of implementation of the remaining recommendations is under examination with reference to the financial, legal and administrative implications involved.

चीन तथा पाकिस्तान द्वारा वायु, जल तथा स्थल सीमा का उल्लंघन

3362. **श्री शिव कुमार शास्त्री :**
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री शारदा नन्द :
श्री भारत सिंह चौहान :
श्री बंश नारायण सिंह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या **प्रतिरक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चीन तथा पाकिस्तान ने गत तीन वर्षों में हमारी वायु, स्थल तथा जल सीमा का कितनी बार उल्लंघन किया है ;

(ख) ऐसे सीमा उल्लंघनों को रोकने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है ;

(ग) क्या सरकार ने इस बारे में इन देशों को कोई विरोध पत्र भेजे हैं ; और

(घ) यदि हां, तो इस बारे में उन देशों की क्या प्रतिक्रिया है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) से (घ). 1 अगस्त 1966 से 31 जुलाई 1969 तक चीन ने 35 स्थल अतिलंघन किये हैं, और 2 अन्तरिक्ष अतिलंघन । उसी अवधि में पाकिस्तान ने जम्मू काश्मीर में युद्ध विराम रेखा के पार उल्लंघनों समेत 161 स्थल उल्लंघन किए हैं और 91 अन्तरिक्ष उल्लंघन । चीनी या पाकिस्तानी नौसैनिक पोतों द्वारा हमारे जल क्षेत्रों का कोई अतिलंघन नहीं किया गया था । हमारी सुरक्षा सेनाओं का सीमाओं पर सतर्कता जारी है । जम्मू तथा काश्मीर में युद्ध विराम रेखा के पार के उल्लंघनों के सम्बन्ध में संयुक्त राष्ट्रों के प्रेक्षकों को शिकायतें भेजी गई थीं । अन्य उल्लंघनों के बारे में चीनी तथा पाकिस्तानी अधिकारणों को विरोध पत्र भेजे गये थे, परन्तु जहां भी उन्होंने उत्तर दिया है उन्होंने उल्लंघनों से इन्कार ही किया है ।

आजाद हिन्द फौज के कर्मचारियों को वित्तीय सहायता

3363. **श्री शिव कुमार शास्त्री :**
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री जार्ज फरनेन्डीज :
श्री समर गुहा :

क्या **प्रतिरक्षा** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार द्वारा पहले की गई